C.B.S.E

कक्षा : 10

विषय: हिंदी A

समय : 3 घंटे **पूर्णांक : 80**

सामान्य निर्देश:

1. इस प्रश्न-पत्र के चार खंड हैं- क, ख, ग, और घ।

2. चारों खंडों के प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है।

3. यथासंभव प्रत्येक खंड के उत्तर क्रम से लिखिए।

4. एक अंक के प्रश्नों का उत्तर लगभग 15-20 शब्दों में लिखिए।

5. दो अंकों के प्रश्नों का उत्तर लगभग 30-40 शब्दों में लिखिए।

6. तीन अंकों के प्रश्नों का उत्तर लगभग 60-70 शब्दों में लिखिए।

खंड-क

[अपठित अंश]

प्र. 1. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए। (2×4=8) (1×2=2) [10]

बहुत समय पहले एक गाँव में हरिहर नाम का एक दयालु और सीधा-सच्चा किसान रहता था। वह खेती-बाड़ी का काम करता था। वह पूरा दिन खेत में जी तोड़-तोड़ मेहनत करता था और शाम का समय ईश्वर की प्रार्थना में बिताता था। जीवन में उसकी मात्र एक इच्छा थी। वह उडुपि के मंदिर में भगवान श्रीकृष्ण के दर्शन करना चाहता था। उडुपि दक्षिण कर्नाटक का प्रमुख तीर्थस्थान है। वह अपनी गरीबी के कारण तीर्थयात्रा की इच्छा पूरी नहीं कर पाता था। इसी तरह कुछ वर्ष बीत गए। समय के साथ-साथ

हरिहर की आर्थिक स्थिति भी सुधरती गई। अब उसने तीर्थयात्रा की योजना बनाई। उसकी पत्नी ने उसके लिए पर्याप्त भोजन बाँध दिया।

हरिहर तीर्थयात्रियों के एक दल के साथ उडुपि की ओर चल दिया। मार्ग में उसे एक स्थान पर एक बूढ़ा मिला। उसकी दशा बहुत ही दयनीय थी। वह कई दिनों से भूखा-प्यासा था और पीड़ा से कराह रहा था। जैसे ही हरिहर की नजर उस पर पड़ी, उसका ह्रदय करुणा से भर गया। उसने बूढ़े के पास जाकर पूछा, “बाबा, क्या तुम भी तीर्थयात्रा करने उडुपि जा रहे हो?” बूढ़े ने उत्तर दिया, “मेरा एक बेटा बीमार है और दूसरे बेटे ने भी तीन दिनों से कुछ नहीं खाया। फिर मैं तीर्थयात्रा कैसे करूँ।”

हरिहर समझता था कि दिन-दुखियों की सेवा ही ईश्वर की सबसे बड़ी सेवा है इसलिए उसने उडुपि जाने से पहले बूढ़े के घर जाने का निश्चय किया। उसके साथियों ने उसे बहुत समझाया “बहुत मुश्किल से तुमने धन एकत्र किया है, अगर यह नष्ट हो गया तो फिर तुम कभी तीर्थयात्रा नहीं कर पाओगे।” हरिहर पर उनकी बातों का कोई प्रभाव नहीं पड़ा। वह बूढ़े के घर पहुँचा। उसने सबसे पहले घर के सभी व्यक्तियों को भरपेट भोजन कराया। फिर बीमार बच्चे के लिए दवा ले आया। उसने बूढ़े को खेत में बोने के लिए बीज भी ला दिया। वह कुछ दिन वहाँ रुका। उसने बूढ़े आदमी की सेवा की, जिससे वह कुछ दिनों में स्वस्थ हो गया। लेकिन इन सारे कार्यों में उसके सारे पैसे खर्च हो गए।

अब उसने अपनी तीर्थयात्रा बीच में ही छोड़कर वापस घर लौटने का निश्चय किया। उसे उडुपि न जा पाने का बिल्कुल भी दुःख न था क्योंकि वह जानता था कि उसने अपना सारा धन दिन-दुखियों की सेवा में खर्च किया था। घर पहुँचकर उसने अपनी पत्नी को सारी बातें बता दीं। पत्नी भी इस पर प्रसन्न हुई क्योंकि वह भी एक धार्मिक स्वभाव की महिला थी। उस रात हरिहर ने सपने में भगवान श्रीकृष्ण को देखा, जी उससे कह रहे थे, “हरिहर

तुम मेरे सच्चे भक्त हो। तुमने उस बूढ़े आदमी की सहायता की और अपनी इच्छा का बलिदान कर दिया। वह बूढ़ा आदमी कोई और नहीं मैं ही था। तुम्हारी परीक्षा के लिए ही मैं उस बूढ़े आदमी का वेश धारण कर आया था। तुम मेरे सच्चे सेवक हो।" इस तरह हरिहर बगैर तीर्थयात्रा पर गए पुण्य का भागीदार बना।

1. हरिहर कौन था तथा उसकी दिनचर्या क्या थी?
2. हरिहर को तीर्थयात्रा के मार्ग में कौन मिला?
3. हरिहर ने बूढ़े व्यक्ति की सहायता कैसे की?
4. हरिहर ने घर लौटने का निश्चय क्यों किया? वहाँ लौटने पर हरिहर ने क्या स्वप्न देखा?
5. इस गद्यांश से क्या शिक्षा मिलती है?
6. उपर्युक्त गद्यांश को उचित शीर्षक दें।

खंड-ख

[व्यावहारिक व्याकरण]

प्र. 2. निर्देशानुसार उत्तर दीजिए। (1x4=4)

(क) मोहन ने कार्ड छपवाए शादी के लिए। (मिश्र वाक्य)

(ख) नीचे गिरने के कारण गिलास टूट गया। (संयुक्त वाक्य)

(ग) बादल घिरे और अँधेरा छा गया। (रचना की दृष्टि से वाक्य का भेद बताइए)

(घ) गली में शोर हुआ और सब लोग बाहर आ गए। (सरल वाक्य)

प्र. 3. निम्नलिखित वाक्यों में रेखांकित पदों का परिचय दीजिए। (1x4=4)

(क) मैं पिछले साल <u>उसे</u> मुंबई में मिला था।

(ख) हम अपने <u>देश पर</u> मर मिटेंगे।

(ग) क्षमा दसवीं कक्षा में पढ़ती है।

(घ) यह पुस्तक अप्पू की है।

प्र. 4. निर्देशानुसार वाच्य परिवर्तन कीजिए। (1x4=4)

(क) मम्मी कुर्ता धोती है। (कर्मवाच्य)

(ख) सोहन आँगन में सोता है। (भाववाच्य)

(ग) कलाकार मूर्ति गढ़ता है। (कर्मवाच्य)

(घ) बच्चे से सोया नहीं जाता। (कर्तृवाच्य)

प्र. 5. निम्नलिखित काव्यांशों में प्रयुक्त रस पहचानिए। (1x4=4)

1. भरे भुवन घोर कठोर रव रबि बाजि तजि मारगु चले।
चिक्करहिं दिग्गज डोल महि अहि कोल कूरुम कलमले॥
2. "हा! वृद्धा के अतुल धन हा! वृद्धता के सहारे।
हा! प्राणों के परमप्रिय हा! एक मेरे दुलारे।
हा! शोभा के सम सम हा! रूप लावण्य हारे।
हा! बेटा हा! हृदय धन हा! नेत्र तारे हमारे।"
3. 'वात्सल्य रस' का स्थायी भाव क्या है?
4. 'आश्चर्य' किस रस का स्थायी भाव है?

खंड - ग

[पाठ्य पुस्तक एवं पूरक पुस्तक]

प्र.6. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए। (3×2=6)

किंतु, खेतीबारी करते, परिवार रखते भी, बालगाबिन भगत साधु थे-साधु की सब परिभाषाओं में खरे उतरनेवाले। कबीर को 'साहब' मानते थे, उन्हीं के गीतों को गाते, उन्हीं के आदेशों पर चलते। कभी झूठ नहीं बोलते, खरा

व्यवहार रखते। किसी से भी दोटूक बात करने में संकोच नहीं करते, न किसी से खामखाह झगड़ा मोल लेते। किसी की चीज नहीं छूते, न बिना पूछे व्यवहार में लाते। इस नियम को कभी-कभी इतनी बारीकी तक ले जाते कि लोगों को कुतूहल होता! कभी वह दूसरे के खेत में शौच के लिए भी नहीं बैठते! वह गृहस्थ थे; लेकिन उनकी सब चीज 'साहब' की थी। जो कुछ खेत में पैदा होता, सिर पर लादकर पहले उसे साहब के दरबार में ले जाते जो उनके घर से चार कोस दूर पर था एक कबीरपंथी मठ से मतलब! वह दरबार में 'भेंट' रूप रख लिया जाकर 'प्रसाद' रूप में जो उन्हें मिलता, उसे घर लाते और उसी से गुजर चलाते!

(क) बालगोबिन भगत किसकी कसौटी पर खरे उतरने वाले थे?

(ख) बालगोबिन भगत की आजीविका का साधन क्या था?

(ग) लोगों के कुतूहल का क्या कारण था?

प्र.7. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर लगभग 30-40 शब्दों में लिखिए। (2x4=8)

(क) सेनानी न होते हुए भी चश्मेवाले को लोग कैप्टन क्यों कहते थे?

(ख) लेखक ने खीरे के मामले में अपना आत्मसम्मान निबाहना ही उचित क्यों समझा?

(ग) एक कहानी यह भी' लेखिका ने अपनी माँ को व्यक्तित्वहीन क्यों कहा है?

(घ) कस्बे का वर्णन कीजिए।

(ङ) फ़ादर बुल्के को आपके अनुसार जहरबाद से क्यों नहीं मरना चाहिए था?

प्र. 8. निम्नलिखित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए: (2 × 3 = 6)

छाया मत छूना
मन, होगा दुख दूना।
जीवन में हैं सुरंग सुधियाँ सुहावनी
छवियों की चित्र-गंध फैली मनभावनी;
तन-सुगंध शेष रही, बीत गई यामिनी,
कुंतल के फूलों की याद बनी चाँदनी।
भूली-सी एक छुअन बनता हर जीवित क्षण-छाया मत छूना
मन, होगा दुख दूना। छाया मत छूना

(क) 'छाया' शब्द यहाँ किस संदर्भ में प्रयुक्त हुआ है?

(ख) कवि ने छाया' को छूने के लिए मना क्यों किया है?

(ग) 'छवियों की चित्र-गंध फैली मनभावनी' का आशय स्पष्ट कीजिए।

प्र.9. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं चार के उत्तर लगभग 30-40 शब्दों में लिखिए। (2x4 = 8)

1. परशुराम के क्रोध करने पर लक्ष्मण ने धनुष के टूट जाने के लिए कौन-कौन से तर्क दिए?
2. कही पड़ी है उर में मंद-गंध पुष्प माल’- पंक्ति का आशय स्पष्ट कीजिए।
3. आपके विचार से माँ ने ऐसा क्यों कहा कि लड़की होना पर लड़की जैसी मत दिखाई देना?
4. नदियों का पानी जादू का काम कैसे करता है? या फसल के लिए नदियों के योगदान को स्पष्ट करें।
5. संगतकार के माध्यम से कवि किस प्रकार के व्यक्तियों की ओर संकेत करना चाह रहा है?

प्र.10. निम्नलिखित पूरक पुस्तिका के प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों का उत्तर लगभग 50-60 शब्दों में लिखिए। [3×2=6]

1. साना साना हाथ जोडि रचना प्रदूषण के कारण स्नोफॉल में कभी का जिक्र किया गया है, प्रदूषण के कौन-कौन से दुष्यपरिणाम सामने आए है लिखें।
2. भोलानाथ अपने साथियों को देखकर सिसकना क्यों भूल जाता है?
3. मूर्तिकार अपने सुझावों को अखबारों तक क्यों जाने नहीं देना चाहता था?

खंड - घ

[लेखन]

प्र.11. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर 200 से 250 शब्दों में निबंध लिखिए। [10]

- निरक्षरता एक अभिशाप
- फैशन बढ़ती प्रवृत्ति से नैतिक मूल्यों का ह्रास

प्र.12. निम्न विषयों में से किसी एक विषय पर पत्र लेखन करें। [5]

1. आपके मोहल्ले में जल-आपूर्ति नियमित रुप से नहीं हो रही है जल-संस्थानक के अधिकारी को शिकायती पत्र लिखिए।

अथवा

2. माताजी की बीमारी की सूचना अपनी बहन को पत्र द्वारा दीजिए।

प्र.13. निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर 25 से 30 शब्दों में विज्ञापन तैयार कीजिए। [5]

1. घी के लिए विज्ञापन बनाइए।
2. गर्मी में इस्तेमाल होनेवाले टेलकम पाउडर का विज्ञापन बनाइए।